पीरियोडिक टेस्ट-1
(पाठ 1 से 6 तक)

समयावधि : ..... **पूर्णांक : 20**

1. (क) अब कार्यालय में गरीब का मान होने लगा। उसे नित्य घुड़कियाँ न मिलतीं। दिन भर दौड़ना न पड़ता। कर्मचारियों के व्यंग्य और अपने समकक्षों के कटु वाक्य न सुनने पड़ते।
   (ख) स्वभाव में भी कुछ तबदीली पैदा हुई। दीनता की जगह आत्म-गौरव का उदय हुआ। तत्परता की जगह आलस्य ने ले ली।
   (ग) उसे अपनी प्रतिष्ठा का गुर हाथ लग गया। वह अब दसवें-पाँचवें दिन दूध, दही आदि लाकर बड़े बाबू को भेंट किया करता। वह देवता को संतुष्ट करना सीख गया।
   (घ) (i) प्रतिष्ठित (ii) आलसी (ङ) दीन + ता
2. **निर्देशानुसार कीजिए –**
   (क) (i) नहीं (ii) राय
   (ख) (i) मेरा बड़ा भाई गुस्से में आपे से बाहर हो गया।
   (ii) सेठ लोग गाँठ के धनी होते हैं।
   (ग) (i) अपादान कारक (ii) करण कारक (घ) (i) अनाकर्षक (ii) दुराचार (ङ) (i)
3. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए –**
   (क) निर्झर मानव जीवन को प्रेरणा देता है कि हमें जीवन में आने वाली चुनौतियों का सामना साहसपूर्वक करना चाहिए। सुख-दुख, हार-जीत आदि तो जीवन का हिस्सा हैं। इनके सामने झुककर अपनी मंज़िल को नहीं छोड़ना चाहिए।
   (ख) गरीब के घर मनों दूध होता है, मनों जौ, चना, मटर होती है लेकिन वह इन सब चीज़ों को किसी को देता तक नहीं था। कार्यालय के लोग इन सब चीज़ों के लिए तरसते थे इसलिए वे लोग गरीब से चिढ़ते थे।
   (ग) इधर दीवार पर तिनके का चिपकना हुआ और उधर मक्खियाँ उसकी मिठास का मज़ा लेने लगीं। मक्खियाँ मिठास के आनंद में डूबी थीं कि एक छिपकली एक ही झपट्टे में दो मक्खियाँ निगल गई। छिपकली को देखकर बनिये की बिल्ली उसपर झपट पड़ी। बंजारे के कुत्ते ने बिल्ली को देखा तो वह उसे पकड़ने दौड़ा।
   (घ) गांधी जी के मित्र को लगता था कि यदि वे (गांधी जी) मांसाहार नहीं करेंगे तो अंग्रेज़ समाज में हिल-मिल नहीं सकेंगे। गांधी जी को अपने मित्र का यह भय दूर कर देना ज़रूरी लगा। इसलिए उन्होंने निर्णय लिया कि वे जंगली नहीं रहेंगे तथा सभ्यों के तौर-तरीके सीखेंगे।
   (ङ) चावरा द्वीप के बुज़ुर्गों ने नाव पर से फलों को उतारा और परीक्षण के रूप में चखकर देखा। जब वे पूरी तरह आश्वस्त हो गए कि वे फल हानिकारक नहीं हैं, तब उन फलों को सबमें वितरित करवा दिया।
4. विद्यार्थी स्वयं करेंगे।
   उत्तर के लिए संकेत-बिंदु – (i) अपना पता (ii) संबोधन एवं अभिवादन।
   (iii) औपचारिकता – हाल-चाल पूछना। (iv) अपनी दिनचर्या बताना।
   (v) रहना, खाना, पढ़ना, खेलना सबकी जानकारी।
   (vi) बड़ों को प्रणाम व छोटों को प्यार (vii) आज्ञाकारी पुत्र / पुत्री अपना नाम